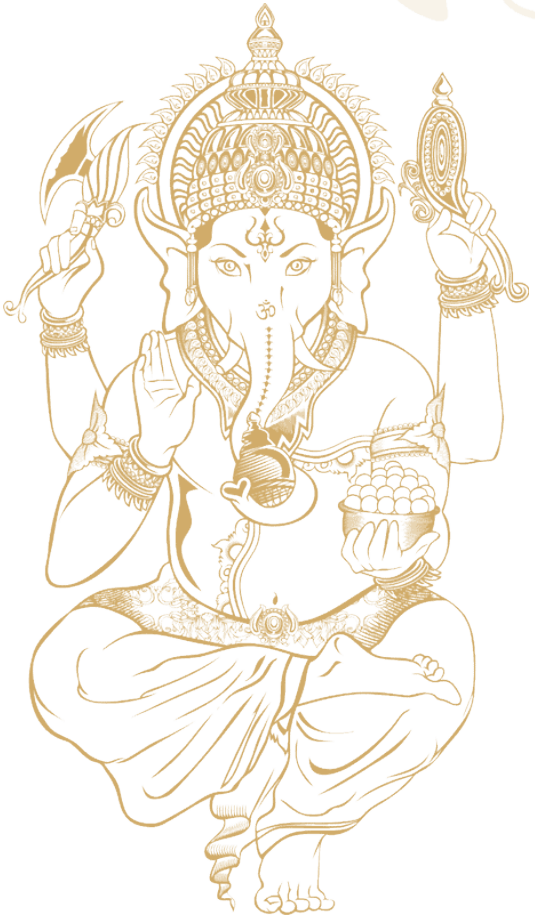

Shiv shakti singh

19 Feb 1988

02:05 PM

Barbigha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121738703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/02/1988**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:05:00 घंटे**
इष्ट	19:22:59 घटी
स्थान	**Barbigha**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:15:00 उत्तर
रेखांश	85:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:17:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:11:54 घंटे
सूर्योदय	06:19:48 घंटे
सूर्यास्त	17:42:45 घंटे
दिनमान	11:22:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:13:25 कुम्भ
लग्न के अंश	19:33:49 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:33:49	317:51:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	06:13:25	01:00:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	00:07:47	14:54:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	04:14:27	00:40:24	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व		मक	20:08:15	00:32:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
गुरु			मेष	02:43:40	00:10:53	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	17:52:15	01:10:06	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			धनु	06:44:36	00:04:41	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	29:28:25	00:00:03	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	29:28:25	00:00:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	06:28:38	00:02:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	15:46:15	00:01:36	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	18:53:09	00:00:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	09:33:02	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:32

लग्न-चलित

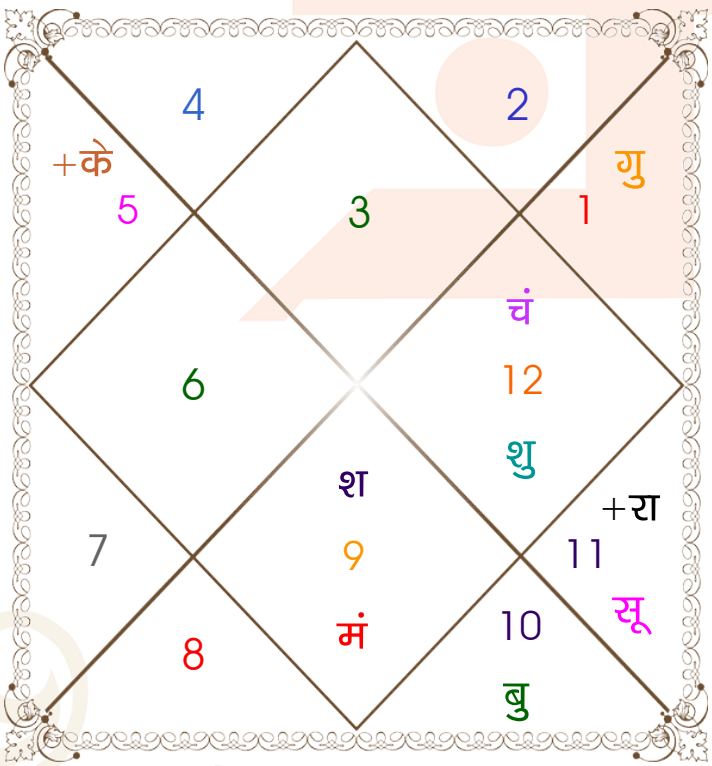

चन्द्र कुंडली

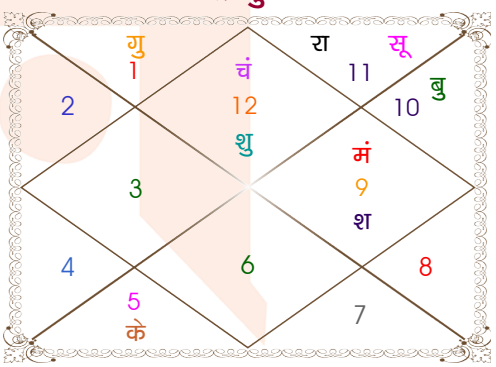

नवमांश कुंडली

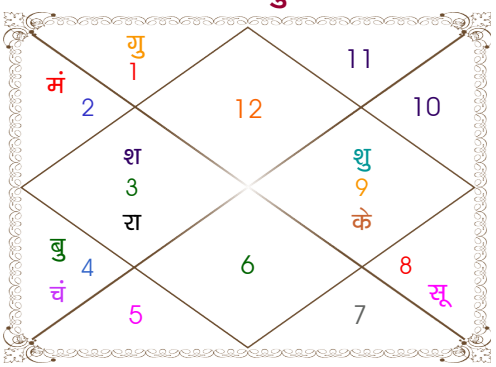

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 10 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/02/1988		24/12/1991		24/12/2010		24/12/2027		24/12/2034	
24/12/1991		24/12/2010		24/12/2027		24/12/2034		24/12/2054	
	00/00/0000	शनि	27/12/1994	बुध	22/05/2013	केतु	21/05/2028	शुक्र	24/04/2038
	00/00/0000	बुध	05/09/1997	केतु	19/05/2014	शुक्र	22/07/2029	सूर्य	25/04/2039
	00/00/0000	केतु	15/10/1998	शुक्र	19/03/2017	सूर्य	26/11/2029	चंद्र	23/12/2040
	00/00/0000	शुक्र	15/12/2001	सूर्य	23/01/2018	चंद्र	27/06/2030	मंगल	23/02/2042
	00/00/0000	सूर्य	27/11/2002	चंद्र	25/06/2019	मंगल	24/11/2030	राहु	22/02/2045
	19/02/1988	चंद्र	27/06/2004	मंगल	21/06/2020	राहु	12/12/2031	गुरु	24/10/2047
चंद्र	24/08/1988	मंगल	06/08/2005	राहु	08/01/2023	गुरु	17/11/2032	शनि	24/12/2050
मंगल	31/07/1989	राहु	12/06/2008	गुरु	15/04/2025	शनि	27/12/2033	बुध	24/10/2053
राहु	24/12/1991	गुरु	24/12/2010	शनि	24/12/2027	बुध	24/12/2034	केतु	24/12/2054

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/12/2054		23/12/2060		24/12/2070		24/12/2077		24/12/2095	
23/12/2060		24/12/2070		24/12/2077		24/12/2095		00/00/0000	
सूर्य	13/04/2055	चंद्र	24/10/2061	मंगल	22/05/2071	राहु	05/09/2080	गुरु	10/02/2098
चंद्र	12/10/2055	मंगल	25/05/2062	राहु	09/06/2072	गुरु	30/01/2083	शनि	25/08/2100
मंगल	17/02/2056	राहु	24/11/2063	गुरु	16/05/2073	शनि	05/12/2085	बुध	01/12/2102
राहु	11/01/2057	गुरु	25/03/2065	शनि	24/06/2074	बुध	24/06/2088	केतु	07/11/2103
गुरु	30/10/2057	शनि	24/10/2066	बुध	22/06/2075	केतु	12/07/2089	शुक्र	08/07/2106
शनि	12/10/2058	बुध	25/03/2068	केतु	18/11/2075	शुक्र	12/07/2092	सूर्य	26/04/2107
बुध	18/08/2059	केतु	24/10/2068	शुक्र	17/01/2077	सूर्य	06/06/2093	चंद्र	20/02/2108
केतु	24/12/2059	शुक्र	24/06/2070	सूर्य	25/05/2077	चंद्र	06/12/2094		00/00/0000
शुक्र	23/12/2060	सूर्य	24/12/2070	चंद्र	24/12/2077	मंगल	24/12/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।